ऑलमैनिया जीनस की दूसरी प्रजाति

हाल ही में ऑलमैनिया मल्टीफ्लोरा नामक जीनस ऑलमैनिया की एक नई प्रजाति की पहचान की गई है।

नई प्रजातियों की मुख्य विशेषताएँ:

- **परिचय:**
  - ऑलमैनिया मल्टीफ्लोरा (*Allmania multiflora*) लगभग 60 सेमी की ऊँचाई तक बढ़ता है और अब तक खोजी गई इस जीनस की यह सिर्फ दूसरी प्रजाति है।
    - पहली प्रजाति **ऑलमैनिया नोडफ्लोरा** मूल रूप से जीनस **सेलोसिया** के तहत वर्ष 1753 में सेलोसिया नोडफ्लोरा के रूप में प्रकाशित हुई थी। सीलोन (श्रीलंका) में पाए जाने वाले पेसीमेंस को पहली बार वर्ष 1834 में ऑलमैनिया नोडफ्लोरा के रूप में वर्णित किया गया था।
    - छोटे टीपल्स और व्यापक गाइनोइकियम (फूल के हिस्से), छोटे खाँचें और बीजों के व्यास में ऐसी विशेषताएँ हैं जो इसे ऑलमैनिया नोडफ्लोरा से अलग करती हैं। मई से सितंबर तक फूल और फल लगते हैं।
  - यह प्रजाति वानस्पतिक और संरक्षण दोनों ही दृष्टि से काफी खास है।
  - ऑलमेनिया मल्टीफ्लोरा को एक पुष्पक्रम के भीतर अधिक संख्या में फूलों के होने के लिये नामित किया गया है।
  - ऑलमेनिया मल्टीफ्लोरा एक वार्षिक जड़ी बूटी है जो आधार से उत्पन्न होने वाली शाखाओं के साथ खड़ी होती है।
  - तना आधार पर लाल से बैंगनी और ऊपर हरा होता है।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN:** गंभीर रूप से संकटग्रस्त।
- **खतरा:**
  - यह गलती से स्थानीय लोगों द्वारा ऐमारैंथ (राजगीरा) के साथ सब्जी के रूप में उपयोग किया जा सकता है।
  - इसके निवास स्थान ग्रेनाइट पहाड़ियों को भी वर्तमान में विभिन्न प्रकार के खतरों का सामना करना पड़ रहा है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/second-species-of-the-genus-allmania